UNIVERSITY OF DELHI

DEPARTMENT : HINDI

COURSE NAME: B.Com Program

(SEMESTER -I)

Based on
Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)
(Effective from Academic Year 2022-23)

General Electives

Course Title	Nature of the Course	Total Credits	Components			Eligibility Criteria/ Prerequisite	**Contents of the course and reference is in**
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी क हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास	GE	4	3	1	0		Annexure-I
हिंदी ख हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास	GE	4	3	1	0		Annexure-III
हिंदी ग हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास	GE	4	3	1	0		Annexure-III

(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर–I

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन–विश्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : रस कौ अंग – 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 और 8

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1,10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता

– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई

– जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग शृंग से

– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. ... SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर–I

'हिंदी–'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन–विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

हिंदी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीता प्रेस, गोरखपुर से 'केवट प्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीशरण गुप्त : नर हो न निराश करो .....

– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर

– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता

– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय

– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

हिन्दी - वि. दिल्ली विश्वविद्यालय

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007

(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर–I

'हिंदी–'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन–विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :

कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :

– मैया मैं नहिं माखन खायौ .....

– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

– मेरी भव बाधा हरौ .....

– कनक कनक ते सौं गुनी .....

– कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :

– अति सूधो सनेह को मारग .....

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता

– सुमित्रानंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....

– सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
श्यौराज सिंह / Dr. SHEORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली–110007 / Delhi-110007